Jai Ambe Gauri Aarti Lyrics In Hindi

जय अम्बे गौरी मैया जय श्यामा गौरी ।

तुमको निशदिन ध्यावत, हरि ब्रम्हा शिवरी॥

जय अम्बे गौरी

मांग सिंदूर विराजत टीको मृगमदको ।

उज्जवल से दोऊ नैना, चन्द्रवदन नीको॥

जय अम्बे गौरी

कनक समान कलेवर रक्ताम्बर राजे ।

रक्त पुष्प गल माला, कण्ठन पर साजे॥

जय अम्बे गौरी

केहरि वाहन राजत खड्ग खप्पर धारी ।

सुर नर मुनि जन सेवत, तिनके दुःख हारी॥

जय अम्बे गौरी

कानन कुंडल शोभित नासाग्रे मोती ।

कोटिक चंद्र दिवाकर, राजत सम ज्योति॥

जय अम्बे गौरी

शुंभ निशंभु विदारे महिषासुरधाती ।

धूम्रविलोचन नैना, निशदिन मदमाती॥

जय अम्बे गौरी

चण्ड मुण्ड संहारे शोणित बीज हरे ।

मधु कैटभ दोउ मारे, सुर भयहीन करे॥

जय अम्बे गौरी

ब्रम्हाणी रुद्राणी तुम कमलारानी ।

आगम निगम बखानी, तुम शिव पटरानी॥,

जय अम्बे गौरी

चौसंठ योगिनी गावत नृत्य करत भैरूँ ।

बाजत ताल मृदंगा, अरु बाजत डमरूँ॥

जय अम्बे गौरी

तुम ही जग की माता तुम ही हो भरता ।

भक्तन की दुःखहर्ता, सुख सम्पत्ति कर्ता॥

जय अम्बे गौरी

भुजा चार अति शोभित वर मुद्रा धारी ।

मनवांच्छित फल पावे, सेवत नर नारी॥

जय अम्बे गौरी

कंचन थाल विराजत अगर कपुर बात्ती ।

श्री माल केतु में राजत, कोटि रतन ज्योती॥

जय अम्बे गौरी

या अम्बे जी की आरती, जो कोई नर गावै ।

कहत शिवानंद स्वामी, सुख संपत्ति पावै॥

जय अम्बे गौरी